मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 150, मुंबई, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

WANTED

गुटखा माफिया अब्दुल्ला

हर महीने बेचता है 10 करोड़ का गुटखा

विषय – पोलीस ठाणेस हजर राहणेबाबत

संदर्भ – दादाभाई नौरोजी नगर पोलीस ठाणे,मुंबई गु.र.क्र गु.र.क्र. ३२९/२० कलम ३२८ १८८,२७२,२७३,३३६ भादवि सह कलम ५९ भारतीय अन्न सुरक्षा व मानके कायदा

उपरोक्त विषयास व संदर्भास अनुसरूण आपणास कळविण्यात येते की, दादाभाई नौरोजी नगर पोलीस ठाणे,मुंबई येथे गु.र.क्र गु.र.क्र. ३२९/२० कलम ३२८,१८८,२७२,२७३,३३६ भादवि सह कलम ५९ भारतीय अन्न सुरक्षा व मानके कायदा अन्वये गुन्हा नोंद करण्यात आला असुन नमूद गुन्हयामध्ये आरोपी इसम नामे अन्सार मोहंमद फकीर मोहमद शख, वय ३८ वर्ष यांना अटक करण्यात आलेली आहे.

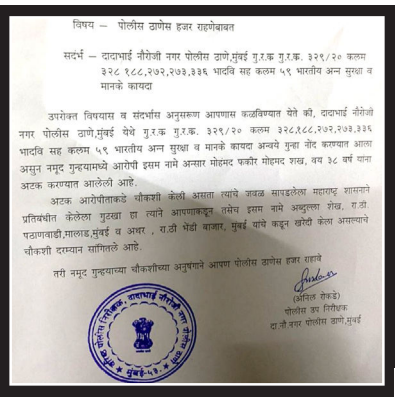

अटक आरोपीताकडे चौकशी केली असता त्यांचे जवळ सापडलेला महाराष्ट्र शासनाने प्रतिबंधीत केलेला गुटखा हा त्याने आपणाकडून तसेच इसम नामे अब्दुल्ला शेख, रा.ठी. पठाणवाडी,मालाड,मुंबई व अथर , रा.ठी भेंडी बाजार, मुंबई यांचे कडून खरेदी केला असल्याचे चौकशी दरम्यान सांगितले आहे.

तरी नमूद गुन्हयाच्या चौकशीच्या अनुषंगाने आपण पोलीस ठाणेस हजर राहावे

(अनिल रोकडे)
पोलीस उप निरीक्षक
दा.नौ.नगर पोलीस ठाणे,मुंबई

अंधेरी डी.एन. नगर पुलिस स्टेशन में वान्टेड गुटखा माफिया अब्दुल्ला व इसके साथी के खिलाफ केस भी दर्ज है, लेकिन उसके बावजूद ये गुटखा माफिया बिना किसी डर के खुलेआम धूम रहा हैं और अपने अवैध कारोबार चला रहा हैं। आपको बता दें कि सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार ये गुटखा माफिया इन गुटखा में तरह-तरह की नशीली पदार्थों को मिलाकर कर मासूम छोटे बच्चों को मौत के मुंह में धकेल रहा हैं

कल पढ़िए इन गुटखा माफियाओं की कितनी प्रापर्टी कहां-कहां पर है

संवाददाता

मुंबई। जोन-12 कुरार पुलिस स्टेशन के अंतर्गत वान्टेड गुटखा माफिया अब्दुल्ला स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से धड़ल्ले से बेच रहा है एक महीने में 10 करोड़ का गुटखा। वान्टेड गुटखा माफिया अब्दुल्ला यह अवैध कारोबार पिछले 8 सालों से करता आ रहा है। लॉकडाउन के चलते गुटखे व तम्बाकू की मांग बढ़ गई है। ये हालात देख तम्बाकू तस्कर सक्रिय हो गए हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह जी से अपील है कि वान्टेड गुटखा माफिया अब्दुल्ला, जाफर व बेदू पर जल्द से जल्द कार्रवाई करें. ताकी मासूम बच्चों की जिंदगियां बर्बाद होने से बच सके

जोन-9 ओशिवरा के अंतर्गत जाफर व बेदू ये सबसे बड़े गुटखा माफिया हैं, पूरे महाराष्ट्र में ये गुटखा सप्लाई करते हैं, सूत्रों से पता चला है कि इन गुटखा माफियाओं का बहुत बड़े-बड़े लोगों तक पहुंच है

वान्टेड गुटखा माफिया अब्दुल्ला 4 K गुटखा का बड़े पैमाने पर करता है कारोबार

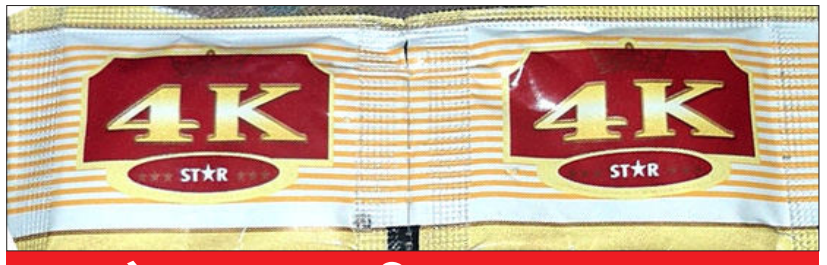

लॉकडाउन में भी बेचा 10 करोड़ का गुटखा

ईडी और इनकम टैक्स विभाग से अपील है कि वान्टेड गुटखा माफिया अब्दुल्ला 1 महीने में 10 करोड़ का अवैध गुटखा का करोबार करता है और अगर से पूरे साल का इसका कारोबार जोड़ा जाये तो 120 करोड़ का कारोबार होता, इसी तरह यह गुटखा माफिया 8 साल से कारोबार कर रहा है। लोकल पुलिस की मिलीभगत से इसका कारोबार हरदिन बढ़ता ही जा रहा है। इस अवैध कारोबार से गुटखा माफिया अब्दुल्ला काफी प्रापर्टी और गाड़ियां खरीद रखा है। गुटखा माफिया अब्दुल्ला जो टैक्स चोरी करके इतनी सारी प्रापर्टी बनाया है इसकी जांच की जाये और इसका मोबाईल नंबर का भी जांच किया जाये और जो इसने टैक्स चोरी करके इतनी सारी प्रापर्टी बनाया है उसको सील किया जाये

फेसबुक कंट्रोल पर विवाद

संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक के अफसरों को 2 सितंबर को तलब किया

भाजपा सांसद ने शशि थरूर को समिति से हटाने की मांग

नई दिल्ली। देश में फेसबुक और वॉट्सऐप के 'कंट्रोल' विवाद के बीच आईटी मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक को 2 सितंबर को तलब किया है। संसदीय समिति ने फेसबुक के अफसरों के अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के अधिकारियों को भी बैठक में मौजूद रहने को कहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक जरूरी जांच

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला न केवल सुखद, बल्कि न्यायपूर्ण भी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ देर से सही, लेकिन उचित फैसला किया है, इससे न केवल पीड़ित पक्ष, बल्कि सुशांत सिंह राजपूत के समर्थकों का भी मनोबल बढ़ेगा। 14 जून को हुई सुशांत की मौत को पहली नजर में आत्महत्या का मामला माना गया था, लेकिन बाद में जैसे परिस्थिति जन्य तथ्य और विरोधाभास सामने आते गए, उससे यह मामला गंभीर बनता गया। विशेष रूप से सुशांत के पिता द्वारा बिहार में दर्ज कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट में जिस तरह से आरोप लगाए गए, उससे यह बात लोगों के दिल तक पहुंची कि सुशांत के साथ विगत छह महीने से लगातार नाइंसाफी हो रही थी। यदि कुछ क्षण के लिए यह मान भी लिया जाए कि उन्होंने आत्महत्या की है, तो भी इस संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है कि सुशांत को उस ओर दुष्प्रेरित किया गया। सुशांत की मौत से पहले ही उनकी निराशा, अवसाद का सिलसिला शुरू हो चुका था। यह बात भी सामने आ चुकी है कि यह कुशल अभिनेता अपनी सफलता, संपन्नता, ऊर्जा और युवा चुस्ती के बावजूद इतना हतोत्साहित था कि उसे दवाइयों की जरूरत पड़ रही थी। सबसे बड़ी बात कि दवाइयां वही लोग खिला रहे थे, जिन पर आरोप लग रहे हैं। जो लोग उन्हें डॉक्टर के पास ले जा रहे थे, वही लोग सुशांत को उनके परिवार से दूर कर रहे थे। दुखद है कि ये सारे इशारे मुंबई पुलिस को नहीं दिख रहे थे। ऐसे में, सीबीआई जांच को टालना मुश्किल था। बिहार पुलिस की जांच को जिस तरह से प्रभावित किया गया, जिस तरह से बिहार के जांच दल के साथ अपराधियों या कोरोना संदिग्ध जैसा सुलूक किया गया, उससे भी लोगों को लगने लगा कि मुंबई पुलिस पर सोलह आना भरोसा नहीं किया जा सकता। मुंबई पुलिस की छवि पर जो दाग लग रहे थे, उन पर सीबीआई जांच के आदेश के साथ सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। अब मुंबई पुलिस के पास एक ही रास्ता है कि वह सीबीआई की जांच में सहयोग करे और सीबीआई की जांच टीम के साथ कतई वैसा सुलूक न करे, जैसा उसने बिहार पुलिस के साथ किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बेशक बिहार पुलिस का मनोबल बढ़ेगा। उसकी एफआईआर और जांच की दिशा सही साबित हुई है। बिहार पुलिस को अभी तक जो तथ्य हासिल हुए हैं, उन्हें सीबीआई को सौंपने का समय आ गया है। अब सीबीआई को इस मामले की तह में जाकर सुशांत की मौत के मूलभूत कारणों को उजागर करना होगा। बॉलीवुड में हुई इस मौत के अनगिनत दुखद पहलू हैं, जो यह संकेत करते हैं कि सिनेमा दुनिया की नैतिक बुनियाद कितनी जर्जर है। किस तरह से सामंतवाद या मठाधीशी का ढर्रा चल पड़ा है। किस तरह से अनेक अयोग्य और आपराधिक किस्म के लोग भी गुट बनाकर अपने-अपने गलत ढंग से यहां गुजारा कर रहे हैं। सीबीआई जांच अगर शक्तिशाली होते बॉलीवुड की आपराधिक बुराइयों तक पहुंच पाई, तो इससे देश का भी भला होगा। छोटे शहरों और सामान्य परिवारों के प्रतिभावानों के साथ वहां कैसा व्यवहार होता है, यह जानने की जरूरत पूरे देश को है। वह दुखद दास्तां भी सामने आनी चाहिए, जिसे सुशांत अपने साथ लिए गए हैं। सीबीआई को ध्यान रखना होगा कि उस पर अब देश की निगाह है।

चेतावनी देतीं प्राकृतिक आपदाएं

केरल के इडुक्की जिले में स्थित पेत्तीमुडी में भूस्खलन में साठ से ज्यादा मौतों का जिम्मेदार बादल फटने को ठहराया जा रहा है। इसी तरह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और हिमाचल प्रदेश के मनाली जिले में भी बादल फटने से लोग कई लोग जान गंवा रहे हैं। गृह मंत्रलय की आपदा नियंत्रण इकाई के अनुसार पिछले ढाई महीने बारिश और बाढ़ से 11 राज्यों में 868 लोग मारे जा चुके हैं। जुलाई में बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आसमान से गिरी बिजली भी 315 लोगों की जान ले चुकी है। बिजली गिरने और बादल फटने को मौसम वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन की निष्ठुर बानगी मान रहे हैं। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मानसून की शुरूआत में ही भारी बारिश और बड़े पैमाने पर बिजली गिरने जैसी अप्रत्याशित स्थिति धरती की सतह असामान्य रूप से गर्म हो जाने के कारण बनी। खुद पृथ्वी विज्ञान मंत्रलय की पहली क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन रिपोर्ट में बढ़ती गर्मी और मौसम चक्र में घट रही घटनाओं को जलवायु बदलने का दुष्परिणाम बताया गया है। रिपोर्ट में अपनी आदतें और नीतियां नहीं बदलने पर 21वीं सदी के अंत तक घिरने वाले भीषण कुदरती खतरों के प्रति आगाह किया गया है। इसके बावजूद पर्यावरण सुधारने संबंधी ठोस पहल केंद्र अथवा राज्य सरकारों के स्तर पर दिखाई नहीं दे रही। केरल में चार दिन की मूसलाधार बारिश में चूंकि बादल भी फट गया सो जानमाल का भारी नुकसान हुआ। वहां मुन्नार और पेत्तीमुडी ही नहीं समूचे देवीकुलम इलाके में दो अगस्त से लगी बारिश की झड़ी सात अगस्त को थमी।

पेत्तीमुडी में दो से सात अगस्त के बीच बेहद असामान्य कुल 184 सेमी बारिश रिकार्ड हुई। यह 1924 की बाढ़ के बाद केरल में किसी क्षेत्र में 96 घंटे में हुई सबसे अधिक बारिश है। इसी तरह उत्तराखंड में मानसून के दौरान बादल फटने की करीब दस घटनाएं हुई हैं और जानमाल का भारी नुकसान आम हो चला है। इससे साफ है कि हिमालय से लेकर तटीय इलाकों तक बदलते जलवायु चक्र से मौसमी दुर्घटना बढ़ रही है। हरेक जिले में आपदा प्रबंधन निकाय बनने के बावजूद प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम के लिए कोई ठोस पहल नहीं की जा रही। इनके नाम से ही स्पष्ट है कि इन निकायों का काम आपदा की रोकथाम नहीं, बल्कि उसके होने के बाद उपजी स्थिति को मैनेज करने तक सीमित है। राजधानी दिल्ली में जुलाई में मानसून की रफ्तार थमने का कारण जहां उत्तरी अरब सागर का अनपेक्षित रूप में गर्म हो जाना रहा वहीं उसका सतही तापमान सामान्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ जाने से पानी का वाष्पीकरण तेज हुआ जो अब सघन मानसूनी हवा से मिल कर असामान्य मूसलाधार बारिश करवा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इसी महीने जयपुर के कुछ हिस्से में मात्र छह घंटे में 25 सेमी बारिश हुई। उत्तराखंड से लेकर तेलंगाना तक जगह-जगह तेज बारिश के दौर चल रहे हैं जिनसे जनजीवन अस्त व्यस्त है और स्थानीय सड़कों, पुलों के साथ-साथ वाहनों और घरों को भी हानि पहुंच रही है।

पृथ्वी विज्ञान विभाग की भारतीय क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन आंकलन रिपोर्ट में भी ग्रीनहाउस गैसों से धरती का तापमान तेजी से बढ़ने पर ऐसी ही अप्रत्याशित त्रसदियों की डरावनी तस्वीर है। यह गैस कोयले और पेट्रोलियम पदार्थो के जलने पर निकलती है और इससे भारतीय भूभाग का तापमान 21वीं सदी के अंत तक 2.7 डिग्री सेल्सियस से लेकर 4.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत के भूभाग का औसत तापमान पिछले 119 साल में 0.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ने से जलवायु परिवर्तन का नुकसान परिलक्षित होने लगा है। यदि हम ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन और आबादी पर अंकुश लगा सके तो 21वीं सदी के अंत तक देश के भीतरी तापमान में और 2.7 डिग्री सेल्सियस वृद्धि होगी। इसके उलट यदि अंधाधुंध औद्योगीकरण करके हमने ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन बढ़ाया तो तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ेगा जो प्राकृतिक आपदाओं में करोड़ों लोगों के हताहत होने का कारण बनेगा। रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक निष्कर्ष 1976-2005 की तुलना में अप्रैल-जून में हीटवेव यानी तेज गर्मी की विभीषिका 2100 तक चार गुना बढ़ जाने की आशंका है। इससे हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद यानी ग्लेशियर अत्यधिक तेजी से पिघलने और मुंबई के आसपास समुद्री जलस्तर प्रति दशक तीन सेमी से भी ज्यादा बढ़ने से पीने के पानी की किल्लत और निचले तटीय इलाकों के डूबने की आशंका है। समुद्री जलस्तर बंगाल के तट पर पांच सेमी प्रति दशक की दर से बढ़ रहा है जिससे सुंदरबन जैसे तटीय जंगलों के अनेक गांव पानी में डूब गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार 1951-2015 के दौरान बंगाल की खाड़ी और अरब सागर सहित हिंद महासागर में सतह का तापमान एक डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है जो वैश्विक औसत से अधिक है। गर्म दिनों और रातों की आवृत्ति 70 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका है। इससे जहां घरों को ठंडा करने के लिए बिजली की खपत बढ़ेगी वहीं बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए ताप बिजली घरों में अधिक ईंधन जलने से वातावरण में प्रदूषण तथा गर्मी और बढ़ेगे। तापमान बढ़ने से भारत में हर साल 15 लाख मौत होने तथा पहाड़ी सैरगाहों में भी गर्मी छा जाने की आशंका पहले से ही जताई जा रही है।

नकली नोटों की बढ़ती समस्या

पिछले दिनों नकली नोट छापने और उसका प्रसार करने वालों का एक बड़ा गिरोह पकड़ा गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तथा भारतीय खुफिया एजेंसियों ने भी कई बार केंद्र सरकार को देश में नकली नोट के बाबत चेताया है। इससे निपटने के लिए एक दशक पूर्व सरकार द्वारा एक विशेष प्रकार की प्लास्टिक की करेंसी जारी करने की योजना बनाई गई थी जिस पर अब पुनः मंथन शुरू करना चाहिए। इसमें एक विशेष प्रकार की चिप होने से बहुत आसानी से नकली-असली नोट की पकड़ हो जाएगी।

विश्व के तमाम देश इस प्रणाली को अपना चुके हैं। देश में करोड़ों रुपये के नकली नोट छाए हुए हैं। आम आदमी से लेकर सभी सरकारी कामकाज में इनका उपयोग हो रहा है। भारत सरकार की एक खुफिया रिपोर्ट में बताया गया है कि तीन पड़ोसी देशों में भारतीय करेंसी की छपाई के कई अवैध प्रेस स्थापित किए गए हैं। बीते वर्ष के आखिर में करोड़ों रुपये के नकली नोट चुपचाप रिजर्व बैंक द्वारा नष्ट कराए गए। माना जाता है कि देश भर में 194 से भी

ज्यादा क्षेत्रों पर नकली नोट के कारोबारियों ने अपने ठिकाने बनाए हुए हैं। जहां से देश भर में नोट सप्लाई किए जाते हैं। ज्यादातर ढाबों, शराब के ठेकों आदि जगहों पर इन नोटों को खपाया जाता है। विश्व भर में यह एक ऐसा अनूठा आपराधिक मामला है जिसके असल मास्टरमाइंड का आज तक पता ही नहीं चल पाया है। यह भी कहा जा सकता है कि अभी तक इसके उन्मूलन के ठोस प्रयास किए ही नहीं गए हैं। सिक्कों का मामला तो और भी पेचीदा है। सिक्के नकली तो आ ही रहे हैं, पर असली रेजगारी को गला-गलाकर ब्लेड, पेन की टिप, स्टेपलर पिन आदि बनाए जा रहे हैं। चूंकि यह तमाम क्षेत्र असंगठित इकाइयों का है इसलिए इनकी खोजबीन एवं पकड़ मुश्किल है। अधिकांश बड़ी ब्रांडेड कंपनियां इन्हीं असंगठित इकाइयों से तैयार माल लेती हैं इसलिए वे पाक साफ रहती हैं। नकली सिक्कों की पहचान बेहद मुश्किल है। बीते साल की दूसरी तिमाही में पांच रुपये वाले सिक्कों के 58 ट्रक पकड़े गए थे। ये सभी नकली थे। जम्मू बॉर्डर पर इन्हें पकड़ा गया था। इसके कुछ दिनों बाद उत्तर प्रदेश में भी दर्जनों ट्रक सिक्के पकड़े गए।

ये असली सिक्के गलाने के लिए तमाम असंगठित इकाइयों में वितरित होने थे। एक सिक्के से 16 ब्लेड बनाए जाते हैं। इसी प्रकार पचास पेनों की टिप बनाने में भी एक सिक्का ही लगता है और स्टेपलर पिन की बीस डिब्बियां भी एक ही सिक्के से बनती हैं। दरअसल जालसाजों का तंत्र इतना ज्यादा उन्नत एवं गहरा है कि कटे फटे जो नोट नष्ट कर दिए जाते हैं, उन्हीं का नंबर वे जाली नोटों पर डाल देते है। बहरहाल अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बनी इस खतरनाक समस्या का इलाज मुश्किल तो है, पर नामुमकिन नहीं। सरकार को इसकी रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
21 अगस्त, 2020

महाराष्ट्र की हैट-ट्रिक, 1 लाख से कम आबादी वाले तीन शहर टॉप पर

मुंबई। स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में महाराष्ट्र ने एक लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी की में हैट ट्रिक लगाई है। इस श्रेणी में महाराष्ट्र का कराड पहले नंबर पर है। दूसरे नंबर पर सासवड और तीसरे नंबर पर लोनावला सबसे साफ शहर है। पांचवे नंबर पर महाराष्ट्र का पंहाला है। इसके बाद जेजुरी, शिरडी, मौडा सीटी और महाराष्ट्र के दूसरे शहर हैं। एक लाख से कम आबादी वाले साफ शहरों की लिस्ट में 25 शहर शामिल हैं। इनमें से अधिकतर शहर महाराष्ट्र के ही हैं। इस लिस्ट में कुल 20 पोजिशन में महाराष्ट्र के शहरों का कब्जा है। वहीं तीन जगहों पर छत्तीसगढ़ और एक-

एक शहर पंजाब और मध्य प्रदेश के शामिल हैं। देश के स्वच्छ सर्वेक्षण के पांचवें संस्करण में इंदौर ओवरऑल एक बार फिर भारत का सबसे स्वच्छ शहर बना है। इंदौर ने लगातार चौथी बार स्थान हासिल किया है। इस रिपोर्ट में दूसरे स्थान पर गुजरात का सूरत और तीसरे पर महाराष्ट्र का नवी मुंबई है। आपको बता दें कि स्वच्छता सर्वेक्षण के पहले संस्करण में भारत में सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मैसुरू को मिला था। वहीं इसके बाद लगातार तीन साल 2017, 2018 और 2019 में मध्य प्रदेश का इंदौर शहर सबसे स्वच्छ घोषित किया गया था।

पीएम मोदी को करनी थी नतीजों की घोषणा: इससे पहले चार बार इस तरह का सर्वेक्षण किया जा चुका है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 'स्वच्छ महोत्सव' नाम के इस कार्यक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कुल 129 शहरों को पुरस्कार प्रदान किए। स्वच्छ शहरों के नतीजों की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले थे लेकिन किसी कारण से इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

नवी मुंबई में जेल के पृथक-वास केंद्र में कैदी ने आत्महत्या की

मुंबई। नवी मुंबई में तलोजा जेल के पृथक-वास केंद्र में बृहस्पतिवार को 43 वर्षीय एक कैदी ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। कैदी को नशीले पदार्थ के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कैदी की पहचान नयी दिल्ली के दरियागंज निवासी मोहम्मद सुलेमान के रूप में हुई। अधिकारी ने बताया कि सुलेमान को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की दिल्ली इकाई ने नशीले पदार्थ से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया था और

मजिस्टीरियल हिरासत के अंतर्गत नवी मुंबई के तलोजा केंद्रीय कारागार में रखा था। उसके खिलाफ स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि जेल में कोविड-19 के प्रसार के कारण, कुछ कैदियों को खारघर के नजदीकी स्कूल में स्थापित जेल के पृथक-वास केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि सुलेमान कोविड-19 से संक्रमित नहीं था। उन्होंने बताया कि बुधवार की देर रात लगभग एक बजे, सुलेमान पृथक-वास केंद्र के शौचालय में गया और एक तौलिया का उपयोग कर खुद को फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि जेल के कुछ कर्मचारियों ने उसे शौचालय में फांसी पर लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को इस घटना के बारे में सूचित किया गया। अधिकारी ने बताया कि कथित आत्महत्या के कारण का पता अभी तक नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी जे जे अस्पताल में भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि खारघर पुलिस स्टेशन में एक आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

शरद पवार ने गरीबों के लिए भेजी रेमडेसिवीर, अस्पताल से गायब हुई जीवन रक्षक दवा

मुंबई। महाराष्ट्र के सतारा जिले में गरीब लोगों के लिए एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने 175 रेमडेसिवीर के इंजेक्शन मुहैया करवाए थे। लेकिन अब इनमें से कई इंजेक्शन अस्पताल से गायब है। यह आरोप राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के स्थानीय नेताओं ने लगाया है। जिसके बाद गृह राज्य मंत्री शंभूराज देसाई ने इस पर कठोर कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। पवार द्वारा उपलब्ध कराए गए रेमडेसिवीर इंजेक्शन में से 50 इंजेक्शन कराड जिले में स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे की मौजूदगी में भेजे गए थे। कोरोना महामारी के बढ़ते हुए मरीजों की वजह से रेमडेसिवीर इंजेक्शन की राज्य में कालाबाजारी शुरू है। 5000 रुपए कीमत वाले इस इंजेक्शन को ब्लैक मार्केट में 25 हजार रुपए में बेचा जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने इस बात को बड़ी ही गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही शुरू की है। दोषी पाए जाने पर लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही का भी प्रावधान किया जा रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

वान्टेड गुटखा माफिया अब्दुल्ला हर महीने बेचता है 10 करोड़ का गुटखा

मालाड पूर्व, पठानवाडी से सटे इलाके में हुमेरा पार्क इमारत की नीची मंजिल की दुकान बाबा सुपारी' ऐवाम संजय नगर में बॉम्बे सुपारी नामक दुकान और उनके गोदाम का बाजार हमेशा सजा रहता है। दिन हो या रात, कभी भी यहां आसानी से गुटखा खरीदा जा सकता है। इन गुटखा माफियो की तुलना की जाये तो बहुत कम है। बाबा सुपारी के मालिक अब्दुल्ला जो महाराष्ट्र गुटका तस्करी के सबसे बड़े व्यपारी है जिनकी इजाजत बगैर कोई भी तस्करी किया नही जा सकता। सुत्रों के अनुसार अब्दुला के पठानवाडी के बाजार -गल्ली, भाजी गल्ली व अन्य जगहों पर 6 से ज्यादा गोदाम है जिन में गोदाम का बाजार हमेशा सजा रहता है। महाराष्ट्र में गुटखा प्रतिबंधित है। एमपी के इंदौर से भिवंडी इलाके से मलाड के विभिन्न इलाकों तक पिकअप व अन्य वाहन से गुटखा की तस्करी महाराष्ट्र के गुटखा तस्करी माफिया अब्दुल्ला कर रहे हैं। गैरतलब है कि यह आधी रात को मलाड, दिंडोशी से गुटखा पाउच की तस्करी करवाता है। नजदीकी सूत्रों के अनुसार गुटखा माफिया अब्दुल्ला को प्रतिबंध के बावजूद महाराष्ट्र की ओर गुटखा पाउच लाना काफी आसान है। अब्दुल्ला गुटखा पाउच के कारोबारी बड़ी मात्रा में माल अपने 6 गोदामों में भरकर रखता हैं और निजी वाहनों से इनकी मलाड, मुंबई और ठाने शहरो में तस्करी कवाता हैं। दूसरी ओर तुलना की जाए तो बॉम्बे सुपारी नामक दुकान के 3 भागीदार पार्टनर है अब्दुल्ल, जयेश, परवेज बिलाल और इनके कुछ दलाल लॉकडाउन के बीच कथित व्यापारी मुनाफे के लिए गुटखा तंबाकू उत्पादों की कालाबाजारी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। यह काला बाजारी दुपहिया व चार पहिया वाहन के जरिए तम्बाकू की तस्करी करते है। वहीं दूसरी ओर बात की जाये तो बॉम्बे सुपारी के सक्रिय भागीदार अब्दुल्ला जयेश गुटखा पाउच भारी मात्रा में मलाड के साफा मरवा नामक इमारत के 3 मंजिल पर आपने रिस्तेदारों के यहाँ रखता है। स्थानिक सूत्रों का कहना है की बाजार -गल्ली, भाजी गल्ली व अनन्य जगह पर यह कपड़े की थैली में एक काली प्लास्टिक थैली में लोकल लोगों को गुटखा पान मसाले एवम सिगरेट बाजार में गुपचुप तरीके से गुटखे व तम्बाकू के पाउच दस गुना दाम पर बेच रहे हैं।

फेसबुक कंट्रोल पर विवाद

बैठक में ऑनलाइन मीडिया प्लेटफार्म के दुरूपयोग को रोकने और नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा पर भी चर्चा होगी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति इस मामले में फेसबुक का पक्ष सुनेगी। हालांकि, यह समन स्थायी समिति के सदस्यों के बीच खींचतान के बीच आया है। समिति के सदस्य और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर शशि थरूर पर संसदीय नियम-कायदों के उल्लंघन और कमेटी की गरिमा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की थरूर को समिति के चेयरमैन पद से हटाया जाए। भाजपा सांसद ने कहा कि थरूर ने लोकसभा की प्रक्रिया के नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने बताया कि मैंने आज लोकसभा अध्यक्ष को एक और पत्र लिखा है, जिसमें उनसे अपील की है कि थरूर समिति की बैठकों में शामिल न हो पाएं। अमेरिका के अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) ने फेसबुक की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। डब्ल्यूएसजे ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि फेसबुक ने भाजपा नेताओं और कुछ समूहों के 'हेट स्पीच' वाली पोस्ट के खिलाफ कार्रवाई करने में जानबूझकर कोताही बरती। उन्हें जल्द नहीं हटाया। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में फेसबुक की पॉलिसी डायरेक्टर आंखी दास ने भाजपा नेता टी राजा सिंह के खिलाफ फेसबुक के हेट स्पीच नियमों को लागू करने का विरोध किया था। उन्हें डर था कि इससे कंपनी के संबंध भाजपा से बिगड़ सकते हैं। फेसबुक को भारत में कारोबार में नुकसान हो सकता है। टी राजा तेलंगाना से भाजपा विधायक हैं। उन पर भड़काऊ बयानबाजी के आरोप लगते रहे हैं। कांग्रेस ने इस मामले की जांच संयुक्त संसदीय कमेटी (जेपीसी) कराने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था- भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत में फेसबुक और वॉट्सऐप को नियंत्रित करते हैं। वे इनके जरिए फर्जी खबरें और नफरत फैलाते हैं और इनका इस्तेमाल वोटरों को प्रभावित करने के लिए करते हैं। आखिरकार, अमेरिकी मीडिया फेसबुक को लेकर सच्चाई के साथ सामने आया।

आर्थिक हालात पर राहुल की चेतावनी

कोविड के चलते आर्थिक नुकसान हुआ, छोटे-मध्यम व्यापारी तबाह हो जाएंगे

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर कोरोना और देश के आर्थिक हालात को लेकर सरकार को चेतावनी दी है। राहुल ने गुरुवार को कहा कि कोरोना संक्रमण के चलते देश को इतना ज्यादा आर्थिक नुकसान हो रहा है कि अगले 5-6 महीनों तक भारत युवाओं को रोजगार नहीं दे सकेगा। एक वीडियो जारी कर राहुल गांधी ने कहा कि उनकी ये चेतावनी सच साबित होगी। एक बात समझनी होगी कि हिंदुस्तान को 90 फीसदी रोजगार असंगठित अर्थव्यवस्था देती है। ये लोग कौन हैं? ये छोटे, मध्यम बिजनेस वाले हैं, किसान हैं। इस सिस्टम को नरेंद्र मोदी ने नष्ट कर दिया, खत्म

कर दिया। आप देखिएगा कि जैसे ही ये मोराटोरियम पीरियड खत्म होगा, एक के बाद एक कंपनियां गिरेंगी। छोटे और मध्यम व्यापार वाले सब खत्म हो जाएंगे। वो तो आज भी हो रहे हैं। राहुल ने कहा- ऐसी स्थिति में क्या होगा? ये देश आने वाले समय में अपने युवाओं को रोजगार नहीं दे पाएगा। ये आपको देखने को मिलेगा। पहली बार हिंदुस्तान के इतिहास में ये होगा। 70 साल में देश में ये नहीं हुआ है, लेकिन अब हमारा देश अपने युवाओं को रोजगार नहीं दे पाएगा। आप मेरी बात अभी मत मानिए, कौन है राहुल? बस बोल रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा- कोरोना के वक्त भी मैंने कहा था कि जबरदस्त नुकसान होने वाला है, तब मीडिया ने मेरा मजाक उड़ाया था। बात मत मानो 6-7 महीने रुक जाओ, आपको दिख जाएगा। छोटे-मध्यम व्यापारी, किसान बर्बाद हो जाएंगे तो ये रोजगार भी नहीं दे पाएंगे।

सरपंच सेवा संघ का राज्यस्तरीय आदर्श पत्रकारिता पुरस्कार प्राप्त सुनिल ज्ञानदेव भोसले का हार्दिक अभिनंदनः वरीष्ठ पत्रकार लक्ष्मण राजे

श्री.सुनिल ज्ञानदेव भोसले
संपादक-स्टार T.V.9
पश्चिम.महाराष्ट्र

उरुली कांचन पुणे इलाके में रहने वाले स्टार टीव्ही 9 पश्चिम महाराष्ट्र के संपादक सुनिल ज्ञानदेव भोसलेजी को सरपंच सेवा संघ का महाराष्ट्र राज्य का आदर्श पत्रकारिता पुरस्कार प्राप्त करने वाले स्टार टीव्ही 9 पश्चिम महाराष्ट्र के संपादक सुनिल ज्ञानदेव भोसले जी ने अपने पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक क्षेत्रों में महान कार्य करके आदर्श निस्वार्थी भावना से समाजा की सेवा करके महाराष्ट्र राज्य के हर इलाके में हर समय समाज सेवा का कार्य किया है। उन्होने हर मशहूर दैनिक समाचार पत्र में अलग अलग क्षेत्र में सेवा करने वाले बहुत लोगों की सेवा की जानकारी लेकर जनता तक पहुंचाई है, और रातदिन जनजागृती का महान काम किया है। इसिलिये सरपंच सेवा संघ महाराष्ट्र प्रदेश संगमनेर की ओर से स्टार टीव्ही 9 पश्चिम महाराष्ट्र के संपादक सुनिल ज्ञानदेव भोसलेजी को आदर्श पत्रकारिता पुरस्कार दिया है। इसिलिये वरीष्ठ पत्रकार लक्ष्मण राजेजी ने स्टार टीव्ही 9 पश्चिम महाराष्ट्र के संपादक सुनिल ज्ञानदेव भोसलेजी का अभिनंदन किया है और पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे का प्रवास सफलता के लिये बधाई दी है।

चौथे वैश्विक वर्चुअल बिजनेस लीडरशिप फोरम -2020 के साथ

पैशन विस्टा का ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स 2020, 15 अगस्त 2020 के शुभ दिन पर यूनिफाइड ब्रेनज एंड पैशन विस्टा के आधिकारिक फेसबुक और यू ट्यूब पर आयोजित किया गया था। पैशन विस्टा एक अंतर्राष्ट्रीय लक्जरी, लाइफस्टाइल और बिजनेस पत्रिका ने अपनी तरह के पहले वर्चुअल पैशन विस्टा ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स का आयोजन किया - 2019 में लॉस एंजिल्स में मुंबई और हॉलीवुड में बॉलीवुड के लिए सफल कार्यक्रमों के बाद और ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स-पंजाबी 2020 की शुरूआत में नई दिल्ली में। भारत-रत्न श्री भरत गोराडिया (यूएसए) भारतीय कला और संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय प्रवर्तक जैसी प्रसिद्ध हस्तियों द्वारा अति-ग्लैम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मजे से भरे फि एस्टा के लिए मुंबई के कुरैश सोंगरेवाला ग्लोबल आर्टिस्ट्स प्रमोटर, गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में भारत के बॉलीवुड हब। इंटरएक्टिव ड्रमिंग कंपनी के संस्थापक डॉ. विनोद हिसल द्वारा दिल की धड़कन प्रदर्शन, ड्रम कैफे ने सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। हमारे पास चन्न उपुली परफॉर्मिंग आर्ट्स फाउंडेशन, श्रीलंका के कुछ खूबसूरत श्रीलंकाई पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन थे, जिन्होंने इस आयोजन में और अधिक रंग जोड़े। द न्यू राइजिंग स्टार, गिरीश चावला ने अपनी सुरीली आवाज के साथ मूड को बनाए रखा। हमारे पास कुछ डिप्लोमैट्स थे जिन्होंने सस्टेनेबल लीडरशिप के लिए चेंज मेकर्स बदलने पर विचार किया। हम ग्लोब के पार से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से ऑनेरेरी थे, जिन्हें वह पहचान मिली, जिसके वे अच्छी तरह से हकदार थे। पैशन विस्टा ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स 2020 मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध मेहमानों की उपस्थिति के बिना संभव नहीं था। दिव्या दत्ता, अक्रिति शर्मा, इशिता चौहान, नम्रता शर्मा, देवर्षि शाह, हितेन तेजवानी, त्रिधा चौधरी, पर्ल वी पुरी, मुकेश ऋषि, अनुष्का सेन, करिश्मा तन्ना, ईशा देओल ऐसे सेलिब्रिटी मेहमान थे जो हमारे साथ ऑनलाइन शामिल हुए।

बिजनेस कोटिएंट की स्टाइलिंग!

पैशन विस्टा ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स 2020 का आयोजन फेसबुक पर लाईव सत्रों के माध्यम से किया गया था, जिसमें डॉ. जीडी सिंह, यूनिफाइड ब्रेनज ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष और एशियन अफ्रीकन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष के शुभकामनाएं और आशीर्वाद शामिल थे। हर साल यह आयोजन यूनिफाइड ब्रेनज कॉन्सेप्टुलाइज़िंग इवेंट, पावर्ड विस्टा टॉक्स द्वारा संचालित और एशियन-अफ्रीकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ सहयोगात्मक प्रयास है। इस वर्ष, लॉकडाउन और कोविद -19 महामारी के कारण, इस कार्यक्रम को लाइव सत्रों के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

रिया-महेश भट्ट की व्हाट्सएप चैट आई सामने, खुद तोड़ा था सुशांत संग रिश्ता!

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत मामले में बड़ी डेवलपमेंट हुई हैं। 8 जून को जब रिया,सुशांत के घर से गई थीं तब उन्होंने डायरेक्टर महेश भट्ट से बातचीत की थी। उन्होंने महेश भट्ट से सुशांत संग रिलेशनशिप पर मैसेज पर बातचीत की थी। उस चैट के वायरल होते ही ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि रिया ने खुद ही सुशांत संग रिश्ता तोड़ा था। अभी तक ऐसा कहा जा रहा था कि सुशांत के कहने पर 8 जून को रिया ने उनका घर छोड़ा था। रिया ने अपने बयानों में यहां तक कहा है कि वे ऐसा कर खुश नहीं थी। उस समय सुशांत की बहन मीतू सिंह का उनके घर आना कारण बताया गया था। लेकिन अब जो रिया चक्रवर्ती की व्हाट्सएप चैट लीक हुई है वो बताती है कि उन्होंने खुद ही सुशांत को छोड़ा था। सिर्फ यही नहीं, रिया, सुशांत संग खुश भी नहीं थीं।

महेश भट्ट के कहने पर रिया ने तोड़ा रिश्ता?

8 जून को सुशांत का घर छोड़ने के बाद रिया ने महेश भट्ट को मैसेज कर लिखा था- आयशा आगे बढ़ गई है सर, भारी दिल और एक शांति के साथ। आपके साथ आखिरी बातचीत ने मेरी आंखे खोल दी थीं। आप मेरे एंजेल हैं। आप तब भी थे और आज भी हैं। वहीं रिया के इस मैसेज पर जो रिएक्शन महेश भट्ट की तरफ से दिया गया, वो हैरान करता है। उन्होंने रिया को जवाब देते हुए लिखा- अब पीछे मुड़कर मत देखना। अपने पिता को मेरा प्यार देना। अब वो काफी खुश होंगे। अब महेश भट्ट का चैट के दौरान रिया के पिता को लाना ये दिखता है कि एक्ट्रेस के पिता इस रिश्ते से खुश नहीं थे। वे रिया को सुशांत संग नहीं देखना चाहते थे। वहीं वायरल चैट में रिया लगातार महेश भट्ट का शुक्रिया अदा कर रही हैं। वे उन्हें कह रही हैं कि उन्होंने उनकी काफी मदद की है। एक मैसेज में रिया ने महेश को लिखा है- आपने फिर मुझे आजाद किया है, आप मेरी जिंदगी में भगवान की तरह हैं। वहीं महेश भट्ट भी रिया को अपनी बेटी समान बता रहे हैं। वे रिया की तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने इतनी हिम्मत दिखाई।

क्या रिया के वकील कर रहे थे गुमराह?: बताया गया है कि रिया ने इस सिलसिले में अपने कुछ दोस्तों संग भी बातचीत की थी। ऐसे में अब सीबीआई इस पहलू की जांच करेगी कि आखिर 8 जून को ऐसा क्या हुआ था कि रिया ने सुशांत का घर छोड़ा था। वैसे इस समय जरूर रिया की ये चैट कोई और ही कहानी बया कर रही है, लेकिन लंबे समय तक हर किसी ने रिया के वकील की बातों पर विश्वास किया था। उस समय ये बताया गया था कि रिया खुद सुशांत के डिप्रेशन की वजह से परेशान थीं। उन्हें भी तनाव होने लगा था। वो तो सुशांत को छोड़ने तक के लिए तैयार नहीं थीं। लेकिन अब रिया की महेश भट्ट संग बातचीत ये साफ दिखा रही है कि वो सुशांत संग खुश नहीं थी और महेश भट्ट के कहने पर ही उन्होंने ये रिश्ता खत्म किया था।

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ का अलर्ट

भारतीय सेना की चौकियों पर बड़े हमले की तैयारी में लश्कर-ए-तैयबा

पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम ने रची साजिश, 12 आतंकियों को ट्रेनिंग दी गई

संवाददाता

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में ठंड का मौसम शुरू होने से पहले पाकिस्तानी आतंकी घुसपैठ करने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने घाटी में सुरक्षा बलों को अलर्ट किया है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम (बैट) ने लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर भारतीय सेना की चौकियों पर हमले की साजिश रची है। लश्कर

के 12 आतंकियों को ट्रेनिंग देकर घुसपैठ के लिए तैयार किया गया है। इनके दो ग्रुप बनाए गए हैं। खुफिया एजेंसी ने अलर्ट किया है कि राजौरी जिले के भिंभर गली (बीजी) सेक्टर में लश्कर छह आतंकियों को एक गाइड की मदद से घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा है। इसके साथ ही पुंछ सेक्टर में भी छह आतंकी कमांडर अब्दुल फजल के साथ घुसपैठ कर बैट जैसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद परेशान है पाकिस्तान

सुरक्षा बलों का कहना है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान पूरी कोशिश कर रहा है कि लोगों को भड़काया जाए। न्यूज एजेंसी आईएएनएस को एक सीनियर आईपीएस ऑफिसर ने बताया कि गर्मी का मौसम खत्म हो रहा है, ऐसे में पाकिस्तान आतंकियों की घुसपैठ के लिए पूरा जोर लगा रहा है। भारतीय सुरक्षा बलों का पहरा इतना मजबूत है कि किसी भी तरह की घुसपैठ को रोका जा सकता है। आतंकी गतिविधियों में लोकल युवाओं की संख्या काफी हद तक कम हुई है। इसके अलावा सुरक्षाबल पीओके में टेरर लांच पैड पर भी नजर बनाए हुए हैं।

पाकिस्तान ने अभी तक 2,662 बार सीजफायर तोड़ा

आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए जुलाई महीने के अंत तक पाकिस्तान ने 2,662 बार सीजफायर तोड़ा है। जबकि पिछले साल कुल 3,168 बार पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया था। इस साल जुलाई में कुल 120 आतंकी संबंधित मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि 2019 में पूरे साल में इतने मामले सामने आए थे। इसी तरह इस साल जुलाई तक 35 सुरक्षाबल शहीद हुए। पिछले साल भी जुलाई तक इतने ही जवान शहीद हुए थे।

भारत ने कहा- हम पाकिस्तान से संपर्क में हैं, हमारी मांग है कि आईसीजे के अनुसार निष्पक्ष सुनवाई हो और जाधव को भारतीय वकील मिले

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि कुलभूषण जाधव की मौत की सजा के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर करने के लिए एक भारतीय वकील को नियुक्त किया जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने गुरुवार शाम वर्चुअल ब्रीफिंग में कहा, हम डिप्लोमैटिक चैनलों के जरिए पाकिस्तान से संपर्क में हैं। कुलभूषण जाधव मामले में हम आईसीजे (इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस) के फैसले के अनुसार स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई की मांग करते हैं। हमने जाधव को एक भारतीय वकील देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को मुख्य मुद्दों को देखने की जरूरत है। पाकिस्तान को केस से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज मुहैया करवाने के साथ ही जाधव को कॉन्सुलर एक्सेस देना चाहिए। इसी महीने की शुरूआत में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने जाधव मामले की सुनवाई के लिए बड़ी बेंच बनाई थी। खबर के मुताबिक, नई बेंच में इस्लामाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अतहर मिन्लाह, जस्टिस आमिर फारुक और जस्टिस मियां गुल हसन औरंगजेब शामिल हैं। नई बेंच तीन सितंबर को मामले की सुनवाई करेगी। इमरान सरकार ने जाधव के लिए लीगल रिप्रेजेंटेटिव नियुक्त करने के लिए भारत से संपर्क करने का दावा किया है।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस्लामाबाद कोर्ट ने कहा है कि भारतीय अधिकारियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय को ऐसा कोई संदेश नहीं मिला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा था कि इस बारे में पाकिस्तान ने कुछ नहीं बताया है। कुलभूषण को मार्च 2016 में पाकिस्तान ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था। 2017 में उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई। इस बीच सुनवाई में कुलभूषण को अपना पक्ष रखने के लिए कोई कॉन्सुलर एक्सेस भी नहीं दिया गया। इसके खिलाफ भारत ने 2017 में ही अंतरराष्ट्रीय कोर्ट (आईसीजे) का दरवाजा खटखटाया। आईसीजे ने जुलाई 2019 में पाकिस्तान को जाधव की फांसी रोकने और सजा पर फिर से विचार करने का आदेश दिया। तब से अब तक पाकिस्तान ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राजीव गांधी की 76 वा जयंती समारोह पौधा रोपण कार्यक्रम कर मनाया गया

समस्तीपुर। भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के आह्वान पे तथा बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के निदेर्शानुसार युवा कांग्रेस समस्तीपुर के तत्वावधान में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री देश रत्न स्व० राजीव गांधी जी की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में 'पेड़ लगाओ जीवन बचाओ' कार्यक्रम का आयोजन कर किया गया। इस अवसर पर एक निजी महाविद्यालय में पौधा लगाया तथा पौधा वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सौरव कुमार ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री सौरव ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व० राजीव गांधी के द्वारा देश में संविधान में संसोधन कर पंचायतों, नगर पालिकाओं को संविधानिक दर्जा दिया गया। देश में करोड़ों लोगों को प्रजा तंत्र का हिस्सा बनने का अधिकार दिया गया। इस देश में पहली बार महिलाओं का आरक्षण पिछड़े

वर्गों को आरक्षण पंचायती राज मुनिसिपल संस्थानों को संवैधानिक दर्जा दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव ई० अबू तनवीर ने कहा कि स्व० राजीव जी ने इस देश के युवा को नई ऊर्जा, नया महत्व, नया स्थान और लीडरसीप के नए आयाम पैदा किए। पर्यावरण संरक्षण तथा आदिवासी दलित भूमि अधिग्रहण जैसे मुद्दे को लेकर भी बहुत गंभीर थें। परंतु बहुत दुख की बात है की वर्तमान की केंद्र सरकार ईआईए 2020 द्वारा परिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा, जीवन व आजीविका को जोखिम में डालने पर तुली हुई है। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावे जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव मुकेश कुमार चौधरी, जिला युवा कांग्रेस महासचिव मो० मोहिउद्दीन, उजियारपुर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी, कल्याणपुर विधानसभा युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष सतीश कुमार, अमित कुमार, रियाज शेख, वारिसनगर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नन्द कुमार चौधरी, अजित कुमार सिंह, जीतेन्द्र कुमार महतो, गौरव कुमार, मो० रिजवी, विपिन कुमार, महफूज आलम, मो० अफजल, दिनेश राय, रियाज, इरफान आदी लोग शामिल हुए। इसके उपरांत सभी कार्यकर्ता एक जुलूस की शकल में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मगरदही घाट पर पहुंचे जहां युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री गुंजन पटेल तथा अन्य युवा कांग्रेस के साथियों के विरूद्ध सरकार द्वारा दमनात्मक कार्यवाही करने तथा उन्हें झूठे मुकदमे में फसा कर जेल में डालने के विरूद्ध बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया तथा बिहार सरकार से यह मांग किया गया की इन नेताओं को अविलंब बिना शर्त रिहा किया जाए।

बुलढाणा हलचल

सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर प्रहार संघटना ने की कीचड़ में लोट पोट होकर किया अनोखा आंदोलन

बुलढाणा। पिछले कुछ दिनों से शहर की सड़कें काफी खराब हैं। लेकिन शेगांव नगर निगम प्रशासन इस सड़क की अनदेखी कर रहा है। इसलिए, मुख्य मांग के लिए कि शहर में सड़कों की मरम्मत की जानी चाहिए, आज, 19 अगस्त को प्रहार संघटना के कार्यकर्ताओं ने 1.5 किमी की दूरी तय करते हुए कीचड़ मे लोट पोट होकर आंदोलन किया है। इस अनोखे आंदोलन को देखने के लिए नागरिकों की भीड़ जमा होगई थी। पिछले कुछ दिनों में, शहर की आंतरिक सड़कें बुरी तरह से

क्षतिग्रस्त हो गई हैं और कुछ सड़कें बदहाल हो गई। लगातार बारिश के बहते पानी के कारण कुछ सडकों के गढों मे पानी जमा हो गया हैं। जिस से नागरिकों को सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। परिणाम स्वरूप, शहर के नागरिकों को काफी परेशानी उठानी पड रही है। इस संबंध में शेगांव नगरपालिका प्रशासन को बार बार निवेदन देकर अवगत कराया था। परंतु नगरपालिका ने इस पर ध्यान नहीं दिया और ना ही रोड बनाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही थी, इसे देखते हुए प्रहार जनशक्ति ने आज शहर के वेंकटेश नगर से नगर परिषद तक सड़क के कीचड़ में 1.5 किमी लोटान आंदोलन किया।

सड़क बनाने की मांग को लेकर स्वाभिमानी संघटना ने जौहरनगर में सड़क पर बेशर्म पेड़ लगाकर किया आंदोलन

बुलढाणा। जौहर नगर में सुफा मस्जिद के सामने की सड़क की हालत बहुत खराब है। इस सड़क के संबंध में, स्थानीय लोगों ने सड़क की मरम्मत के संबंध में नगरपालिका प्रशासन को कई बार निवेदन दिए। हालांकि, नगरपालिका प्रशासन ने इस मामले पर ध्यान नहीं दिया। इस सड़क को न.पा ने मंजूरी दे दी है। हालाँकि, इस सड़क का काम आज तक नहीं शुरू हुवा, इस सड़क का संचालन नहीं होने का खामियाजा नागरिकों को भुगतना पड़ता है। बारिश के मौसम में सड़कों पर कीचड़ के कारण नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ती है। सड़कों पर कीचड़ होने से दोपहिया और पैदल चलने वालों को दिक्कत हो रही है। हालांकि, इस सड़क का संचालन नहीं होने का खामियाजा नागरिकों को भुगतना पड़ता है। बारिश के मौसम में सड़कों पर कीचड़ के कारण नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ती है। सड़कों पर कीचड़ होने से दोपहिया और पैदल चलने वालों को दिक्कत हो रही है। साथ ही छोटे बच्चे सड़क दुर्घटना के शिकार हो रहेहैं। कुछ दिन पहले स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के कार्यकताओं से नगर परिषद के प्रमुख ने मुख्यकार्यकारी अधिकारी से भेट देकर ईस समस्या से अवगत कराया लेकिन उन्होने सड़क के बारे में आश्वासन दिया। लेकिन आज,तक ईस समस्या का निवारन नही कीया गया। इसके लिए 19 अगस्त को स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के विदर्भ युवा कार्यकारी अध्यक्ष राणा चंदन और अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष शेखरफिक शेख करीम के नेतृत्व में एक अनोखा आंदोलन किया गया था। आंदोलन के दौरान, राणा चंदन ने कहा कि अगर न.पा प्रशासन के पास बार-बार शिकायत दर्ज कराने के बाद भी सड़क का काम नहीं हो रहा है,आज सड़क पर लगा बेशर्म पेड़ लगाकर आंदोलन किया। राणा चंदन ने नगरपालिका प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि आठ दिनों के भीतर सड़क का काम शुरू नहीं किया गया तो निकट भविष्य में नगर निगम परिसर में बेशर्म पेड़ लगाए जाएंगे। आंदोलन में राणा चंदन, शेख रफीक शेख करीम, दानिश खान, शेख जफर, इब्राहिम चौधरी, जावेद खान, आसिफ खान, शेख सोहेल, साई यूनुस, तनवीर वली, शेख राशिद और शाहबाज शामिल थे।

मधुबनी हलचल

बाहरी लोग ज्यादा खराब कर रहे हैं बरही गांव का माहौल, बेकसूरों को पीटने वाले अधिकतर बरही से बाहर के लोगः नजरे आलम

केवटी और दरभंगा प्रशासन, हल्के में ना ले पूरा मामला, एक पक्षीय लोगों को परेशान करना भी अविलंब बंद कराएः बेदारी कारवां

संवाददाता/मो सालिम आजाद

दरभंगा। केवटी एवं दरभंगा प्रशासन से अनुरोध है कि असमाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करे साथ ही बरही गांव के बेकसूरों को जिन बाहरी लोगों ने पीटा है उसकी अविलंब गिरफ्तारी की जाए। आखिर दरभंगा और केवटी प्रशासन बरही गांव के चारों तरफ के बाहरियों को हटाने का प्रयास क्यों नहीं कर रही है। आखिर इस तरह का माहौल बाहर के लोग जाकर क्यों बना रहे हैं। काफी देर गोलीयों की तरतराहट भी सुनने को मिली, आखिर

कोन लोग हैं जो खुलेआम समाज में नफरत फैला रहे हैं, प्रशासन तीन दिनों से पूरे मामले को हल्के में क्यों ले रही थी। कोन है जो यह घटिया साजिश रचकर आपसी भाईचारे को खत्म करना चाहता है। हम पुनः दरभंगा प्रशासन से अपील करते हैं के वह बरही गांव में शांति बहाल करे और असमाजिक तत्वों की अविलंब गिरफ्तारी करें साथ ही जो लोग जख्मी हुए हैं उनका सही जगह पर इलाज कराए। एक पक्षीय कार्रवाई ना तो पुलिस करे और ना ही किसी दोषी को छोड़े चाहे वह किसी समुदाय का हो, जो समाज में शांति भंग करने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसी सूचना भी मिली है कि बरही गांव को चारों तरफसे बाहरी लोगों ने घेर कर माहौल को ज्यादा बिगाड़ा है जिस पर प्रशासन एक्शन लेने में असफल रही है जिसका भरपुर फायदा बाहरी उपद्रवियों ने उठाया और बहुत सारे बेकसूरों को बुरी तरह पीट कर लहु लुहान कर दिया। हम उम्मीद करते दरभंगा प्रशासन और केवटी प्रशासन एक पक्षीय कार्रवाई से परहेज करेगी, दोषियों पर कार्रवाई करने के साथ साथ बरही गांव के बाहरी इलाके में जो बाहरी लोगों ने माहौल बिगाड़ा है उसके खिलाफ भी एक्शन लेगी।

समस्तीपुर हलचल

फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया गया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। कैरेज एंड वैगन डिपो दरभंगा के कर्मचारियों ने अपने जीवन में खेलकूद एवं व्यायाम को प्रेरित करने के उद्देश्य से, 'फिट इंडिया फ्रीडम रन' का आयोजन किया गया। विदित हो कि फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वाधान में दिनांक 15.08. 2020 से 02.10.2020 तक समस्तीपुर मंडल में फिट इंडिया फ्रीडम रन का फेज वाइज आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल क्रीड़ा संघ समस्तीपुर द्वारा कैरेज वैगन डिपो दरभंगा में रेल कर्म रेल कर्मियों को अपने जीवन शैली में खेलकूद व्यायाम में अपने जीवन शैली में शामिल करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री बलराम कोचिंग डिपो अधिकारी सह स्टेशन डायरेक्टर दरभंगा ने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट अपने जीवन शैली में बदलाव का एक आर्ट जो हमें बीमारियों से दूर रखने में सहायक है। उन्होंने कहा अपने जीवन शैली में छोटे बदलाव एवं खेलकूद व्यायाम तथा योग को शामिल कर हम डायबिटीज, हाईपर टेंशन, जैसी बीमारियों को नियंत्रित कर सकते हैं। इसी क्रम में रेलवे कर्मचारियों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग तथा मास्क का ध्यान रखते हुए कोचिंग डिपो से रेलवे स्टेशन दरभंगा तक दौड़/तेज चाल किया गया जिसमें काफी संख्या में कर्मचारीगण शामिल हुए।

वेतन वृद्धि का एलान भ्रामक : लाल बाबू

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड के नियोजित शिक्षकों ने आज प्रखंड मुख्यालय परिसर में हाल ही में सरकार द्वारा घोषित नई सेवा शर्त की कॉपी को जलाया। साथ ही आक्रोशपूर्ण प्रर्दशन भी किया एवं शिक्षकों ने सरकार विरोधी नारे भी लगाए। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए शिक्षक संघर्ष समन्वय समिति के अध्यक्ष महेश प्रसाद यादव ने कहा कि सरकार द्वारा नई घोषित सेवा शर्त चुनावी लॉली पॉप है। सरकार चाहती है कि जिस तरह शिक्षकों को पिछले कई वर्षों से ठगते आ रही हैं आगे भी ठगें, लेकिन इसबार शिक्षक मानने को तैयार नहीं है। ये चुनाव आरपार की लड़ाई है। सेवापूर्व प्रशिक्षित शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष श्याम कुमार पांडेय ने कहा कि राज्यकर्मियों से काम का दर्जा हमें मंजूर नहीं है। सरकार को अपने निर्णय पर विचार करना चाहिए अन्यथा बिहार के नियोजित शिक्षक इस बार अपना विचार कर लेंगे। शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी लाल बाबू ने बताया कि सरकार द्वारा घोषित वेतन वृद्धि आश्चर्यजनक तथ्य से पड़े एवं भ्रामक है। उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान में ऐसा कभी नहीं हुआ कि वेतन वृद्धि की घोषणा आज की गई हो और लागू एक वर्ष बाद से हो। सरकार की इस प्रकार की घोषणा वेहद चौकाने वाली है। उन्होंने बताया कि सरकार की मती मारी गई है। उन्हें सद्बुद्धि से काम करना चाहिए था न कि आनन फानन में कुछ भी निर्माण थोपना था। मौके पर शिक्षक नेता रूदल कुमार,दीपक कुमार सिंह, प्रदीप कुमार, उमेश दास, पंकज कुमार झा,ओम प्रकाश, गिरीशचंद्र यादव, विमलेश कुमार चौधरी आदि मौजूद थे।

रामपुर हलचल

मोहर्रम को लेकर बैठक

टाण्डा (रामपुर)। कोरोना वायरस महामारी के चलते मोहर्रम मनाये जाने को लेकर कोतवाली परिसर में क्षेत्रीय नगर के समभ्रांत लोगो को लेकर बैठक का आयोजन किया गया जिसमे ताजियादारो को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि मोहर्रम शान्ति पूर्वक ढग से मनाये। किसी भी प्रकार की कोई भीड़ भाड़ इकठ्ठा न हो सके कोरोना वायरस को देखते हुए सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करना होगा इस मोके पर जगह कोतवाल माधो सिंह विष्ट, पालिका अध्यक्ष पति मकसूद लाला, क्रइम प्रभारी अनिल त्यागी, एस. एस.आई मदन पाल सिंह,एस.आई सुरेश सिंह व क्षेत्रीय चोकी इंचार्ज आदि मौजूद रहे।

जमीअत उल्मा उ.प्र. का सदर बनाये जाने पर अपना आवास मोहल्ला भब्बलपुरी में बैठक का आयोजन किया गया

टाण्डा (रामपुर)। जमीयत उलेमा हिन्द के जिलाअध्यक्ष एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष महमूदुज्जफर रहमानी एडवोकेट ने अब्दुल रब कासमी आजमी को जमीअत उल्मा उ०प्र० का सदर बनाये जाने पर अपना आवास मोहल्ला भब्बलपुरी में बैठक का आयोजन किया गया। जिलाअध्यक्ष महमूदुज्जफर रहमानी ने कहा कि जमीअत उल्मा उ०प्र० के उप अध्यक्ष व बुजूर्ग आलिम ए दीन मोलाना अब्दुल रब कासमी आजमी को उ०प्र० का अध्यक्ष निर्वाचित किये जाने पर खुशी का इजहार किया गया मोलाना अब्दुल रब साहब सब को साथ लेकर चलने वाले बुजूर्ग आलिमे दीन है उनके अध्यक्ष चुने जाने पर जमीअत और अधिक मजबूत होगी मोलाना मतीनुलहक उसामा कासमी के देहान्त होने के उपरान्त अध्यक्ष पद खाली चला आ रहा था प्रातीय महा सचिव मोलाना मु० मदनी तथा कार्यकारीणी के निर्णय का स्वागत व समर्थन करते हुए खुशी का इजहार किया गया। इस मौके पर महमूदुज्जफर रहमानी मोलाना लियाकत अली. मोलाना जहीरुल इस्लाम,मोलाना सुलेमान, मौलाना इरफान, मोलाना शोकत अली मो० उस्मान सेफी नवेली रहमानी आदि उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

Wedding Day के लिए ये ओवरनाइट ट्रिक आएंगे आपके काम

शादी के लिए दुल्हन को बहुत ही खास तरीके से तैयार किया जाता है। यह उसकी जिंदगी के सबसे खुशनुमा पलों में से एक होते हैं, जिसकी यादें वह उम्र भर संभाल कर रखना चाहती है। इसके लिए तीन खास बातों की तरफ खास ध्यान दिया जाता है। एक निखरी त्वचा दूसरा कुदरती ग्लो तीसरा चमकदार बाल। इन सबको परफैक्ट बनाने के लिए लड़कियां महीनों पहले ही पार्लर जाकर ट्रीटमेंट लेने शुरू कर देती हैं। आप हम आपको ब्यूटी के कुछ नाइट टिप्स बता रहे हैं, जिससे शादी से पहले और बाद में भी आपकी स्किन को बहुत फायदे मिलेंगे।

1. आंखों की सूजन हटाएं
नींद पूरी न होने या फिर ज्यादा देर तक सोने से आंखों के आशपास सूजन आनी शुरू हो जाती है। इससे कई बार आंखों के आस-पास काले घेरे भी पड़ने लगते हैं। जिससे बचने के लिए आप रात को सोने से पहले सिर के नीचे तकिया रख कर सोएं। इस बात का ध्यान रखें की तकीया ज्यादा ऊंचा नहीं होना चाहिए। इससे आखों के आसपास जमा होने वाला तरल आसानी से सूखना शुरू हो जाएगा। जिससे आंखों के पास की त्वचा में सूजन नहीं होगी।

2. कुदरती निखार
त्वचा पर कुदरती निखार हो तो चेहरे पर खुशी साफ झलकती दिखाई देती है। इशके लिए विटामिन सी बैस्ट है। रात को सोने से पहले नाइट क्रीम में विटामिन सी का आधा कैप्सूल मिक्स करके फेस पर लगाएं। इससे सुबह उठते ही स्किन पर फर्क दिखना शुरू हो जाएगा। इसे हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करें।

3. नर्म-मुलायम पैर
पैरों में दरारे पड़ने की वजह से खराब लगने लगते है। दूल्हन के पैर नर्म और मुलायम हो तो रात को सोने से पहले पैरों पर वैस्लीन लगा कर कॉटन की जुराबे पहन लें।

4. सफेद दांत
दांत पीले हैं तो इसे सफेद बनाने के लिए चुटकी भर बेकिंग सोडे से दांतों पर मंजन करें। इसके बाद पानी से कुल्ला कर लें। दांतों की झनझनाहट और पीला पन दूर हो जाएगा।

5. बाल बनाएं बाउंसी
रात को सोने के बाद सुबह कर्ली बालों की सैटिंग खराब हो जाती है। इसके लिए साटिन का पिलो कवर इस्तेमाल करें और किसी सॉफ्ट रबड बैंड से बाल बांध लें।

6. डार्क सर्कल हटाएं
डार्क सर्कल हो तो इससे चेहरे का ग्लो खत्म हो जाता है। इसे दूर करने के लिए रात को सोने से पहले टी ट्री ऑयल और बादाम का तेल मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। यह डार्क सर्कल हटाने के साथ-साथ चेहरे को भी हाइड्रेट करता है।

उंगलियों का कालापन कर रहा है शर्मिंदा तो अपनाएं ये टिप्स

लड़कियां हाथों की उंगलियों को खूबसूरत दिखाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती है लेकिन कई बार उनकी उंगलियों के ज्वाइंट्स का कालापन उन्हें शर्मिंदा कर देता है। फिर चाहे वो कितनी भी बढ़िया नेलपेंट्स और ज्वैलरी का इस्तेमाल न कर लें। अगर आपको भी उंगलियों का कालापन शर्मिंदा कर रहा है तो हमारे बताएं घरेलू नुस्खों को इस्तेमाल करके इन्हें गोरा और साफ बनाएं।

बादाम के तेल में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो कालेपन के दूर करने में मदद करते हैं। इस उपचार को करने के लिए गुलाब जल में बादाम के तेल में मिला लें और फिर इसे उंगलियों के ज्वाइंट्स अप्लाई करें। इसके सूखने के बाद हाथों को हल्के गर्म पानी से धोंए। इस प्रक्रिया को सप्ताह में दो बार दोहराएं।

उंगलियों के कालेपन को दूर करके चमक लाने में नींबू और शहद काफी कारगार उपाय है। इसे इस्तेमाल करने के लिए नींबू के रस में शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं और उंगलियों पर लगाएं और कुछ मिनटों बाद हाथों को पानी से धो लें।उंगलियों में चमक लाने के लिए शुगर स्क्रब भी बढ़िया है। यह हर तरह की स्किन पर सूट करता है। शुगर और शहद को मिक्स करके उंगलियों पर लगाएं और इसके हल्के सूखने पर इससे स्क्रब करें और बाद में धोएं।

वर्किंग वुमन्स इन आसान से टिप्स को अपनाकर चमकाएं घर

आजकल ज्यादातर महिलाएं कामकाजी है। उनके पास इतना समय नहीं होता की वह घर की साफ सफाई के लिए ज्यादा समय लगाएं। वह जल्दी-जल्दी में सफाई करती है जिससे दाग अच्छे से साफ नहीं हो पाते। कई बार उन दागों की वजह से दूसरे लोगों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। अगर आप वर्किंग वुमन्स हैं और आपके पास घर की सफाई करने का समय नहीं तो आज हम आपके लिए कुछ बढ़ियां टिप्स लेकर आए है जो आपके घर को चमका देगा। तो आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में।

1. किचन कैबिनेट्स
किचन कैबिनेट्स में अक्सर तेल के दाग पड़ जाते हैं। उन तेल के दोगों को मिटाने में बहुत समय लगता है। अगर आप आसानी से तेल के दोगों को कैबिनेट्स से मिटाना चाहते हैं तो एक टिशू पेपर पर ऑलिव ऑयल की डालें कर साफ करें। ऑलिव ऑयल से जिद्दी से जिद्दी निशान भी मिट जाते हैं।

2. फ्रिज
फ्रिज से स्मैल आना आम है। स्मैल आने दूर करने के लिए आलू के छिलकों का इस्तेमाल करें। आलू के छिलको को उबाल कर उस पानी से फ्रिज के दरवाजे को अच्छे से साफ कर लें।

3. डायनिंग टेबल
डायनिंग टेबल को नीलगिरी के तेल से साफ किया जा सकता है।इस तेल से टेबल साफ करने पर गंदगी दूर होने के साथ ही उसकी चमक भी बनी रहती है।

4. गैस
गैस को साफ करने के लिए संतरे का छिलके का उपयोग करें। संतरे को गैस पर रगड़े। इस तरह गैस की सफाई करने पर उसे अचछी खुशबू भी आने लगेगी।

5. नल
घर में लगे नल को साफ करने के लिए टूथपेस्ट का यूज करें। एक कपड़े पर टूथपेस्ट लगाकर उससे नल को साफ करें फिर उसके गर्म पानी से धो लें। इस तरह सफाई करने से नल चमकने लगेगा।

6. शीशा
शीशे को हैंड वॉश से साफ करें। 1 गिलास पानी में 1 बूंद हैंड वॉश डाल कर एक घोल बनाएं। इसके घोल से शीशे को साफ करें।

7. कमोड
कमोड के दागों को साफ करने के लिए बेकिंग सोडे का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से कमोड जल्दी साफ हो जाएगा।

झगड़ते समय पार्टनर को कहेंगे ये बातें तो कभी नहीं होगी सुलाह

पति-पत्नी या गर्लफ्रैंड- ब्वॉयफ्रैंड में लड़ाई होना आम है। जहां प्यार होता है वहां ही लड़ाई होती है। मगर लड़ाई-झगड़ा करते इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस दौरान आप कोई ऐसी बात न बोल दें जो आपके पार्टनर के मन में घर कर जाए। लड़ाई-झगड़े तो खत्म हो जाता हैं लेकिन उस बात की चोट पार्टनर के दिलो-दिमाग पर हमेशा के लिए रह जाती है। हम आपको बता रहे हैं ऐसी ही कुछ बातें, जो बहस के दौरान कहने से बचना चाहिए।

1. रिश्ता खत्म करने की बात
लड़ाई करते समय कभी भूलकर भी पार्टनर से रिश्ता खत्म करने की बात न करें। अगर आप दोनो में किसी बात को लेकर लड़ाई हो जाती है तो अपने पार्टनर को समझने की कोशिश करें।

2. अपने रिश्ते को कभी ना कोसें
कई बार लड़ाई करते समय आप गुस्से में पार्टनर से बोल देते हैं कि तुमसे शादी करके मैंने जिंदगी की सबसे बड़ी गलती की। इस तरह के शब्द लड़ाई को खत्म करने की बजाए। उसको और बढ़ा देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप जितने मर्जी

नराज क्यों न हो अपने रिश्ते को कभी ना कोसें।

3. क्या तुम पागल हो ?
बहस के दौरान अपने पार्टनर को पागल न कहें। अगर वो आपकी बात नहीं सझ पा रहा तो उसको प्यार से अपनी बात को समझाएं।

4. घरवालों से तुलना ना करें
कभी भी अपने पार्टनर की तुलना घर वालों से न करें। इस तरह की बातें करने से रिश्ते कमजोर होते हैं। पार्टनर को ऐसी बातें बोलने से पहले अपने मन में ये बात सोचें कि अगर आपका पार्टनर आपके परिवार के किसी सदस्य के बारे में ऐसा कहेगा तो आपको कैसा लगेगा।

5. तुम मोटे हो
कई बार लड़ाई-झगड़ा करते समय लड़की लड़के से बोल देते हैं कि तुम मोटे हो फिर भी मै तुम्हारे साथ रह रही हूं। इस बात का लड़के को बहुत बुरा लगता है। कई बार तो इससे रिश्ते टूट भी जाते हैं। अगर आप अपने रिश्ते को बचाना चाहते हैं तो ऐसी बातें ना बोलें।

6. बातो को इग्नोर करें
अपने रिश्ते के शुरूआती दिनों को याद करें। जब आप पार्टनर द्वारा बोली गई बातों को इग्नोर कर दिया करते थे। अब भी वैसा ही करे बातों को खींचने से अच्छा है कि आप खुद अपने पार्टनर को सॉरी बोलकर बात को वहीं खत्म करने की कोशिश करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विक्की कौशल संग फिल्म करने जा रहीं मानुषी छिल्लर?

2017 में मिस वर्ल्ड बनीं मानुषी छिल्लर ने अभी तक अपना बॉलीवुड डेब्यू नहीं किया है। वो अक्षय कुमार संग फिल्म पृथ्वीराज में नजर आने वाली हैं। फिल्म अगले साल रिलीज होगी। लेकिन अब खबर आर रही हैं कि मानुषी को एक और फिल्म के लिए साइन कर लिया गया है। मानुषी एक और यशराज फिल्म में काम कर सकती हैं। खबर के मुताबिक एक्टर विक्की कौशल संग मानुषी की जोड़ी बड़े पर्दे पर दिख सकती है। यशराज के बैनर में बन रही एक फिल्म में मानुषी को बतौर लीड एक्ट्रेस साइन किया जा सकता है। वो स्क्रीन पर विक्की कौशल संग अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा सकती हैं। अभी तक इस खबर को लेकर मानुषी या फिर विक्की की तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया है, लेकिन ऐसी अटकलें तेज हैं। बताया तो ये भी जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन विजय कृष्णा आचार्य कर सकते हैं जो इससे पहले धूम 3 जैसी सुपरहिट फिल्म का निर्देशन कर चुके हैं। खबरों की माने तो अपनी दूसरी फिल्म का ऑडिशन भी मानुषी ने पृथ्वीराज की तैयारियों के दौरान ही दे दिया था। मेकर्स मानुषी से खासा इप्रेंस थे और उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस मौका देना चाहते थे।

सारा-सुशांत के रिश्ते पर बोलीं कंगना, स्टारकिड्स सपने दिखाते फिर ब्रेकअप करते

कंगना रनौत सुशांत सिंह राजपूत मामले में बेबाकी से अपनी राय रख रही हैं। वे अब तक इस केस में महेश भट्ट, करण जौहर और कई स्टारकिड्स एक्टर्स पर निशाना साध चुकी हैं। हाल ही में कंगना ने सारा अली खान और सुशांत सिंह राजपूत के रिलेशनशिप पर अपनी राय रखी है और सारा पर निशाना साधा है। दरअसल सुशांत के दोस्त सैम्युएल ने इंस्टाग्राम पर बताया कि सुशांत और सारा अली खान फिल्म केदारनाथ के प्रमोशन्स के दौरान काफी प्यार में थे। दोनों एक दूसरे को काफी रिस्पेक्ट करते थे जो आजकल रिलेशनशिप्स में काफी कम देखने को मिलती है। परिवार, फ्रेंड्स और स्टाफ सभी को लेकर दोनों के मन में बेहद रिस्पेक्ट थी। कभी कभी मुझे लगता है कि सारा का सुशांत के साथ ब्रेकअप का फैसला जो सोनचिड़िया के बाद हुआ था, क्या मूवी माफिया के दबाव में लिया गया फैसला था? इस न्यूज को शेयर करते हुए कंगना ने एक ट्वीट किया और लिखा- सारा और सुशांत के अफेयर की चर्चा मीडिया में चारों ओर थी। आउटडोर शूट के दौरान दोनों एक कमरा भी शेयर करते थे। आखिर क्यों ये फैंसी नेपोटिज्म किड्स संवेदनशील आउटसाइडर्स को रंगीन सपने दिखाते हैं और फिर उन्हें पब्लिकली डंप कर देते हैं? जाहिर है, सुशांत इसके बाद एक गिद्ध (रिया) के साथ फंस गए। गौरतलब है कि सुशांत और सारा ने फिल्म केदारनाथ में साथ काम किया था। इस फिल्म के साथ ही सारा अली खान ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत की थी।

सोनू सूद से रोजाना कितने लोग करते हैं मदद की अपील?

लॉकडाउन के दौरान लोगों के लिए मसीहा बन चुके सोनू सूद इस रास्ते पर लगातार आगे बढ़ते चले जा रहे हैं। जो सफर मजबूर प्रवासी मजदूरों की मदद से शुरू हुआ था वो अब इतना व्यापक रूप से चुका है कि सोनू देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक में फंसे हुए या मजबूर लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ा रहे हैं। मदद के लिए सोनू को रोजाना कितने लोग संपर्क करते हैं इसका एक ब्यौरा एक्टर ने गुरुवार को अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए शेयर किया। जो आंकड़े उन्होंने साझा किए हैं वो हैरान करने वाले हैं। सोनू ने लिखा, 1137 मेल, 19000 फेसबुक मैसेज, 4812 इंस्टा मैसेज और 6741 ट्विटर मैसेज। ये आज के हेल्प मैसेज हैं। एवरेज आंकडे.देखे तो करीब इतनी रिक्वेस्ट मुझे रोज मदद के लिए मिलती हैं। एक इंसान होने के तौर पर ये असंभव है कि आप इनमें हर किसी तक पहुंच पाएं। लेकिन फिर भी मैं अपनी पूरी कोशिश करता हूं। सोनू ने अपने मैसेज के आखिरी में लिखा है कि मैं माफी चाहता हूं अगर मैंने आपका मैसेज मिस कर दिया तो। बता दें कि सोनू सूद ने लॉकडाउन के दौरान बेहिसाब प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने का काम किया था। इस पर वह एक किताब भी लिख रहे हैं जो कि जल्द ही मार्केट में उपलब्ध होगी।